कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
ण्उंपसरूातपण्मगजमदेपवद / हउंपसण्बवउए ˜मइपजमरूीजजचण्णहतपण्वतहए चीण् थ्ा.0731.2874065
स्थापना वर्ष:1963

शैक्षणिक सत्रः 2025–26

कक्षा : एम. ए.

Class - M. A.

विषय – ग्रामीण विकास एवं प्रसार

Subject – Rural Development & Extension

सेमेस्टर – द्वितीय

Sem. – IInd

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश कमांक 14–2 के अनुसार

1. पाठ्यकम का कोड – 106
   Course Code – CC- 106
2. पाठ्यकम का शीर्षक – ग्रामीण विकास में संचार एवं प्रसार
   Course Title – COMMUNICATION &EXTENSION IN RURAL DEVELOPMENT
3. पाठ्यकम का प्रकार – कौर कोर्स
   Course Type – Core Course
4. पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :– **CLO-**
   Communication plays key role in Extension Work. This course would empower students to be a good communicator and extension worker. The students will be able to:
   1. Gain knowledge of need and importance of Extension Education.
   2. Analyse the effective communication and communication media according to requirements.
   3. Perceive the importance of Rural Leadership in Extension work.
   4. Acquire knowledge of various teaching materials and their application.
5. केडिट मान – सैद्धांतिक – 05 **Credit Value - 05**
6. कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 75 घंटे

UNIT	CONTENTS	DURATION
इकाई I	**ग्रामीणप्रसार एवंसंचार-** 1. संचार : अर्थ एवं परिभाषा 2. संचार की विशेषताएँ, संचार के उद्देश्य 3. संचार के तत्व-प्रेषक, संचार प्राप्तकर्ता, संदेश, माध्यम, संकेतीकरण, संकेत वाचन, प्रतिपुष्टि एवं शोर 4. प्रसार कार्य में संचार का महत्व	
इकाई II	**संचार प्रक्रिया, प्रकार एवं कार्य** 1. संचार प्रक्रिया, संचार के आधुनिक स्वरूप 2. संचार के प्रकार-वैयक्तिक संचार, पारस्परिक संचार, सामूहिक संचार, सामाजिक संचार, जनसंचार, शाब्दिक सचांर एवं अशाब्दिक संचार 3. संचार के कार्य-सूचनात्मक कार्य, निर्देशात्मक कार्य, प्रभावी कार्य, एकीकृत कार्य 4. संचार के प्रतिमान (मॉडल)	
इकाई III	**प्रभावी संचार एवं संचार अवरोध** 1. प्रभावी संचार का अर्थ एवं परिभाषा 2. प्रभावी संचार की विशेषताएँ, प्रभावी संचार के लिए कौशल-संवाद, सुनना, सकारात्मक अभिवृत्ति, शारीरिक हाव-भाव इत्यादि 3. अच्छे संचारक की विशेषताएँ 4. संचार के बाधक तत्व-भौतिक बाधाएँ, भाषागत बाधाएँ, व्यक्तिगत बाधाएँ, मनोवैज्ञानिक बाधाएँ, संस्थागत बाधाएँ	

अविरत.....२

इकाई IV	**संचार माध्यम** 1. संचार माध्यम का अर्थ एवं परिभाषा, संचार माध्यम का चयन 2. दृश्य सामग्री : अर्थ, प्रक्षेपित दृश्य सामग्री-फिल्मस्ट्रीप्स, स्लाइड, प्रोजेक्टर गैर प्रक्षेपित दृश्य सामग्री-चाकपट्ट, फोटोग्राफ, पोस्टर, चार्ट, फ्लैश कार्ड, बुलेटिन बोर्ड, मॉडल, परिपत्र इत्यादि। 3. श्रव्य सामग्री : अर्थ, प्रमुख श्रव्य साधन-रेडियो, टेप रिकॉर्डर, एम्प्लीफायर एवं लाउडस्पीकर 4. दृश्य-श्रव्य सामग्री : अर्थ, विशेषताएँ एवं दृश्य-श्रव्य सामग्री की प्रसार कार्य में उपयोगिता एवं महत्व दृश्य-श्रव्य सामग्री का वर्गीकरण-दूरदर्शन, नुक्कड़ नाटक, कठपुतली नाटक, सिनेमा, छाया अभिनय इत्यादि
इकाई V	**जन संचार माध्यम** 1. जन संचार माध्यम : अर्थ, परिभाषा एवं महत्व 2. जन संचार माध्यमों के प्रकार-परंपरागत जनसंचार माध्यम, प्रिंट माध्यम, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम, आउटडोर माध्यम 3. प्रसार कार्य में जनसंचार माध्यमों का उपयोग

TEXT BOOKS, REFERENCE BOOKS, OTHER RESOURCES

REFRENCE BOOKS:

1- Dubey V.K. Extension : Education and Communication, New Age Publication Pvt Ltd., New Delhi, 2008
2- Harks J.D. : Mass Communication – An Introduction Survey, Wn. C. Brown Publishers, London, 1990
3- Ray, G.L. : Extension Communication Management, Nayar Publication, Calcutta
4- ऊरपालानी बी.डी.: गृहविज्ञान में प्रसार शिक्षा, स्टारपब्लिकेशन, आगरा
5- बक्शीबी.के.: प्रसार शिक्षा तकनीक तथा कार्यक्रम, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
6- सिंह बृन्दा, : प्रसार शिक्षा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
7- मिश्र विनोद, शुक्ल नरेन्द्र : व्यवसायिक सम्प्रेषण, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा
8- शॉगीता पुष्प, शॉजायस शीला : प्रसार शिक्षा, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
9- श्री वास्तव जे.पी. : प्रसारिकी, अमन पब्लिशिंग हाउस, मेरठ
10- श्री वास्तव डी.एन.: सतत् शिक्षा एवं संचार, एस बीपीडी पब्लिशिंग हाउस, आगरा

RECOMMENDED DIGITAL PLATFORM, WEBLINKS

1. https://www.everyday41.com/2020/04/drshy-shravy-samamagree-arth-paribhaasha-mahatav-siddhaant.html
2. https://www.testsuccesskey.com/2015/01/audio-visual-aids-in-hindi.html
3. https://apps.worldagroforestry.org/Units/Library/Books/Book%2006/html/12.3_extension_methods.htm?n=127
4. https://en.wikipedia.org/wiki/Extension_method
5. https://www.topper.com/guides/business-studies/directing/communication/

GUIDELINES & RULES FOR STUDENTS

- The students are expected to follow the following rules for deriving maximum benefits of the course
- Don't leave the campus without permission. In case of emergency, written permission from the Course Coordinator is required. Be punctual and attend all sessions, Lectures and other activities
- Take responsibility of your own work Follow the timetable, home assignments and projects should be submitted within the stipulated time period.
- A minimum of 75% attendance is compulsory for all the students.

26.9.25

26/09/25

कक्षा : एम. ए.

Class - M. A.

विषय – ग्रामीण विकास एवं प्रसार

Subject – Rural Development & Extension

सेमेस्टर – द्वितीय

Sem. – II nd

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश कमांक 14–2 के अनुसार

1. पाठ्यकम का कोड – C.C 107
   Course Code – CC-107
2. पाठ्यकम का शीर्षक – शौध पद्धतियां एवं सांख्यिकी
   Course Title – Research Methodology & Statics
3. पाठ्यकम का प्रकार – कौर कोर्स
   Course Type – Core Course
4. पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-
   1. छात्राएं शोध एवं सांख्यिकी से परिचित होंगी।
   2. शोध कार्य में उपकल्पना एवं निदर्शन का महत्व समझेंगी।
   3. छात्राएं तथ्य संकलन की विधियों का ज्ञान प्राप्त कर उपयोग करना सीखेंगी।
5. केडिट मान – सैद्धांतिक – 05 Credit Value - 05
6. कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 75 घंटे

इकाई	विषय	व्याख्यान घण्टे
इकाई–1	– **शोध परिचय एवं शोध समस्या :** 1. शोध – परिभाषा, विशेषताएं, प्रकार एवं चरण 2. शोध समस्या की पहचान, संबंधित साहित्य समीक्षा 3. चर – परिभाषा प्रकार, स्वतंत्र एवं आश्रित, सतत एवं असतत्	
इकाई–2	– **उपकल्पना एवं निदर्शन :** 1. उपकल्पना – अर्थ एवं महत्व 2. उपकल्पना के प्रकार – शोध उपकल्पना, सांख्यिकीय उपकल्पना (शून्य एवं निर्देशात्मक) 3. उपकल्पना – विशेषताएँ एवं निर्माण में कठिनाइयॉ 4. निदर्शन – अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं एवं प्रकार 5. जनसंख्या एवं निदर्शन में अंतर	

Contd-------2

26.9.25 26/09/25 26/9/25

इकाई–3	– **शोध अभिकल्प एवं शोध विधियां :** 1. शोध अभिकल्प – अर्थ, परिभाषा एवं ाशेषताएं 2. शोध विधियां – ऐतिहासिक, सर्वेक्षणा क, प्रयोगात्मक, वैयक्तिक अध्ययन 3. सर्वेक्षण विधि – अर्थ परिभाषा, सामा क सर्वेक्षण की विशेषताएँ एवं सामाजिक सर्वेक्षण के प्रकार	
इकाई–4	– **तथ्य संकलन :** 1. तथ्य संकलन – अर्थ, परिभाषा एवं म त्व 2. तथ्य संकलन के प्राथमिक एवं द्वितीय क स्त्रोत 3. तथ्य संकलन की प्रविधियॉ – प्रश्नाव ी साक्षात्कार, अनुसूची, साक्षात्कार अनुसूची 4. प्रश्नावली एवं अनुसूची में अंतर	
इकाई–5	– **तथ्यों का विश्लेषण एवं सांख्यिकी :** 1. तथ्यों का वर्गीकरण – अर्थ, परिभाषा उद्देश्य एवं विशेषताएं 2. तथ्यों का सारणीयन – अर्थ परिभाषा उद्देश्य एवं विशेषताएं 3. सांख्यिकी का अर्थ, परिभाषा एवं उपय ोगिता 4. केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप – माध्य, मा यका एवं बहुलक का अर्थ एवं गुण–दोष 5. एस.पी.एस.एस. का परिचय एवं उपयो ोता	
	संदर्भ पुस्तकें – 1. मुकर्जी रवीन्द्रनाथ : सामाजिक शोध ा सांख्यिकी,विवेक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2. डॉ. त्रिवेदी आर.एन. एवं डॉ. शुक्ला, ा.पी. रिसर्च मैथ्डोलॉजी, कॉलेज बुक डिपो, जयपुर 3. वोहरा वंदना : रिसर्च मेथ्डोलॉजी, ओ गा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, 2009 4. दुबे एवं कुसुमाकर : सामाजिक शोध वं सांख्यिकी, शिवा प्रकाशन, इन्दौर 2 5. वैश्य एलहंस : सांख्यिकी के सिद्धांत, किताब महल, इलाहाबाद 6. डॉ. जैन बी.एम.: रिसर्च मैथ्डोलॉजी,रि र्च पब्लिकेशन, जयपुर	

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर

(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)

म.उंपसरूातपणमगजमदेपवद / हउंपसण्बवउए ˝मइेपजमरूीजजचरू णहतपण्वतहए चीण् श्व.0731.2874065

स्थापना वर्ष:1963

शैक्षणिक सत्र: 2025–26

कक्षा : एम. ए.

Class - M. A.

विषय – ग्रामीण विकास एवं प्रसार

Subject – Rural Development & Extension

सेमेस्टर – द्वितीय

Sem. – IInd

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश कमांक 14–2 के अनुसार

1. पाठ्यकम का कोड – [illegible]108
   Course Code – CC-108
2. पाठ्यकम का शीर्षक – **प्राकृतिक संसाधनों का अर्थशास्त्र**
   Course Title – Natural Resource Economic
3. पाठ्यकम का प्रकार – कौर कोर्स
   Course Type – Core Course
4. पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :– **CLO-**
   1. छात्राओं को प्राकृतिक संसाधनों से परिचित करवाना।
   2. छात्राओं को जल संसाधन के महत्व एवं जल नीति की जानकारी प्रदान करना।
   3. छात्राओं को भूमि संसाधन के महत्व एवं कृषि यंत्रीकरण से परिचित करवाना।
5. केडिट मान – सैद्धांतिक – 05 **Credit Value - 05**
6. कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 75 घंटे

इकाई	विषय	व्याख्यान घण्टे
इकाई–1	– **प्राकृतिक संसाधन :** 1. प्राकृतिक संसाधन – परिभाषा, विशेषताएँ एवं प्रकार 2. प्राकृतिक संसाधनों का महत्व, सीमाएं 3. प्राकृतिक संसाधनों की कमी के कारण	
इकाई–2	– **जल संसाधन (जल) :** 1. जल के स्त्रोत, महत्व व उपयोग 2. जल की कमी के निर्धारक तत्व 3. जल संग्रहण की विभिन्न तकनीक 4. जल संसाधन और राष्ट्रीय जल नीति	

26.9.25

26/09/25

26/9/25

Contd-------2

इकाई–3	– भूमि **संसाधन (जमीन और वन) :** 1. भूमि संसाधन व वन संसाधन – अर्थ, महत्व 2. कृषि में संस्थागत परिवर्तन – भूमि सुधार एवं भूमि नीति 3. भारत में वन संसाधन एवं सामाजिक वानिकी कार्यक्रम 4. भारत में कृषि यंत्रीकरण एवं कृषि पदार्थों का विपणन	
इकाई–4	– जीवित **संसाधन (पशुधन) :** 1. विभिन्न प्रकार के जीव–जन्तु – मुर्गी, मछली, भेड़, बकरी, सूकर (सूअर), मधुमक्खी 2. भारत में पशुधन के विकास के उद्देश्य 3. भारत में डेयरी विकास 4. भारत में पशुधन का व्यापारीकरण	
इकाई–5	– मानव **संसाधन (जन) :** 1. मानव संसाधन – अर्थ एवं परिभाषा 2. मानव संसाधन का विकास –अर्थ, उद्देश्य 3. मानव संसाधन की आवश्यकता एवं उपयोगिता 4. बेहतर जीवन स्तर का आधार ''स्वास्थ्य और शिक्षा'' कार्यशील जनसंख्या एवं व्यावसायिक वितरण	

संदर्भ पुस्तकें **एवं पत्रिकाएं –**

1. गोयल अनुपम : यूनीफाइड अर्थशास्त्र, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी, इन्दौर
2. बागडी डालूचन्द, भारतीय अर्थशास्त्र, [illegible] प्रकाशक, जयपुर मॉडर्न बुक हाऊस, 14 पंजाबी कॉलोनी, मह्, 2008.
3. पुरि एवं मिश्र, भारतीय अर्थशास्त्र,प्रकाशित भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रमुख समस्या हिमालया पब्लिशिंग हाऊस, 2001.
4. शर्मा एवं कुमार : पर्यावरण प्रबंधन एवं प्राकृतिक संसाधन, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली 2009.
5. माहेश्वरी पी.डी. : पर्यावरणीय अर्थशास्त्र, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल, 2005.
6. माथुर रीता, आर्थिक विकास एवं प्राकृतिक साधन [illegible] प्रकाशक, 340,चौडा रास्ता, जयपुर, 2008.

....

26/09/25

26/09/25

26/9/25

कक्षा : एम. ए.
Class - M. A.
विषय – ग्रामीण विकास एवं प्रसार
Subject – Rural Development & Extension
सेमेस्टर – द्वितीय
Sem. – IInd

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश क्रमांक 14-2 के अनुसार

1. **पाठ्यक्रम का कोड** – ...109
   Course Code – CC-109
2. **पाठ्यक्रम का शीर्षक** – **कृषि वित्तीय प्रबंधन एवं ग्रामीण नवाचार**
   Course Title – **Agriculture Financial Management & Rural Innovation.**
3. **पाठ्यक्रम का प्रकार** – **कौर कोर्स**
   Course Type – Core Course
4. **पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-**
   1. छात्राओं को कृषि वित्त एवं साख की जानकारी प्रदान करना।
   2. छात्राओं को साख की पूर्ति तथा सहकारिता से परिचित करवाना।
   3. छात्राओं को ग्रामीण बाजार की स्थिति से अवगत करवाना।
   4. छात्राओं को वित्तीय संस्थाओं की जानकारी प्रदान करना।
5. **क्रेडिट मान** – सैद्धांतिक – 05 **Credit Value - 05**
6. **कुल अंक** – 40+60=100 **न्यूनतम उत्तीर्ण अंक** – 40
   Total Marks - 40+60=100 **Minum Passing Marks - 40**
7. **व्याख्यान की कुल अवधि**– 75 घंटे

इकाई प्रथम – कृषि वित्त एवं साख :

1. कृषि वित्त – अर्थ, परिभाषा और महत्व
2. कृषि वित्त के मुख्य सिद्धांत
3. साख के प्रकार, भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि साथ के कार्य
4. कृषि ऋण की विशेषताएं एवं चुनोतियां
5. कृषि ऋण योजनाएं

इकाई द्वितीय – वित्तीय प्रबंधन :

1. वित्तीय प्रबंधन का अर्थ, परिभाषा, महत्व एवं उद्देश्य
2. अल्पकालीन, मध्यकालीन एवं दीर्घकालीन ऋण
3. ऋण वितरण की प्रक्रिया
4. व्यावसायिक बैंक
5. ग्रामीण साख देने में भारतीय रिजर्व बैंक की भूमिका

अविरत......2

इकाई तृतीय – ग्रामीण बाजार संरचना, विकास और अवसर :

1. ग्रामीण बाजार की अवधारणा और महत्व
2. ग्रामीण बाजार की पारंपरिक संरचना (हाट, मेला, मण्डी)
3. ग्रामीण बाजार का आर्थिक महत्व
4. ग्रामीण और शहरी बाजार का तुलनात्मक अध्ययन
5. स्वतंत्रता के बाद ग्रामीण बाजार का विकास

इकाई चतुर्थ – ग्रामीण नवाचार की अवधारणा और महत्व :

1. ग्रामीण नवाचार का अर्थ, परिभाषा और उद्देश्य
2. ग्रामीण क्षेत्रों में नवाचार की आवश्यकता और चुनोतियां
3. भारत में ग्रामीण नवाचार के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
4. ग्राम स्तरीय नवाचार मॉडल और सफलता की कहानियां
5. प्रसार शिक्षा में नवाचार का महत्व

इकाई पंचम – डिजिटल कृषि का परिचय और तकनीकें – :

1. डिजिटल कृषि की परिभाषा और महत्व
2. स्मार्ट फार्मिंग तकनीकें (आई.ओ.टी., सेंसर, जी.आई.एस., ड्रोन)
3. आर्टीफिशियन इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग का कृषि में उपयोग
4. किसान काल सेंटर, मोबाइल एप्स एवं एस.एम.एस. सेवाएं
5. डिजिटल कृषि से उत्पादकता और आय में सुधार

संदर्भ पुस्तकें –

1- जोशी एवं मिश्रा : कृषि अर्थशास्त्र के सिद्धांत एवं भारत में कृषि विकास, कालेज बुक डिपो, जयपुर, 2011.
2- मिश्र जय प्रकाश : कृषि अर्थशास्त्र, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा, 2004.
3- माथुर बी.एल. : ग्रामीण अर्थशास्त्र, अर्जुन पब्लिशिंग हाऊस, 2011.
4- मिश्रा एवं सिंह : भारतीय बैंकिंग प्रणाली, साहित्य भवन पब्लिकेशन हाऊस, 2008.
5- सेठ एम.एल. : मुद्रा, बैंकिंग एवं राजस्व, शिवलाल एण्ड कंपनी, इन्दौर, 2001.
6- मिश्र एस.सी. : अर्थशास्त्र द्वितीय वर्ष, रामप्रसाद एण्ड संस, हमीदिया रोड़, भोपाल, 2002.

.....

26/9/25 26/09/25 26/9/25

कक्षा : एम. ए.
Class - M. A.
विषय – ग्रामीण विकास एवं प्रसार / समाजशास्त्र
Subject – Rural Development & Extension/Sociology
सेमेस्टर – द्वितीय
Sem. – IIrd
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश कमांक 14–2 के अनुसार

1. **पाठ्यक्रम का कोड – 110/CC35**
   Course Code – 110/CC35
2. **पाठ्यकम का शीर्षक – अपराध और विचलन का समाजशास्त्र**
   Course Title – Sociology of Crime & Deviance
3. **पाठ्यकम का प्रकार – मूल्य संवर्धक पाठ्यकम (वैकल्पिक)**
   Course Type – Value Added Course
4. **पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-**
   1. यह अपराध और विचलन की व्यापक समझ विकसित करेगा, जिसमें उनकी परिभाषाएं, कारण और सामाजिक प्रभाव शामिल है।
   2. एनोमी विभेदक सहचर्य, लेबलिंग और शक्ति सिद्धांत जैसी विभिन्न समाजशास्त्रीय सिद्धांतों का विश्लेषण करना जो विचलित व्यवहार की व्याख्या करते हैं।
   3. संगठित अपराध, व्यावसायिक अपराध, पेशेवर अपराध और साइबर अपराध सहित विभिन्न प्रकार केक अपराध और विचलन की पहचान करना और उनमें अंतर करना सीखेंगे।
   4. आपराधिक न्याय और सुधारात्मक प्रणालियों की संरचना और कार्यों का मूल्यांकन करना, जिसमें दंड, प्रोवेशन, पैराल और जल सुधार शामिल हैं।
   5. वैश्वीकरण, प्रौद्योगिकी और मानवाधिकारों केक मुद्दों का अपराध और विचलन पर आधुनिक दुनिया में प्रभाव का आकलन करना।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 02 Credit Value - 02**
6. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40**
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे**

इकाई	विषय	व्या.घंटे
इकाई–1	– **अपराध और विचलन की समझ : –** 1. अपराध – अर्थ, क्षेत्र और विषय वस्तु। 2. अपराध की संकल्पनात्मक दृष्टिकोण – कानूनी और समाजशास्त्रीय। 3. विचलन – अर्थ, क्षेत्र और विषय वस्तु। **गतिविधि** – कक्षा में शहर के सिद्ध वकील को आमंत्रित कर चर्चा करना।	
इकाई–2	– **सामाजिक विचलन के सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य : –** 1. सामाजिक विचलन के सैद्धांतिक दृष्टिकोण 2. एनॉमी सिद्धांत 3. विभेदक सायचर्य सिद्धांत 4. लेबलिंग सिद्धांत 5. शक्ति सिद्धांत **गतिविदिध** – अपराध और विचलन पर संगोष्ठी का आयोजन करना। 2	

Contd–2

26.9.25 26/09/25 26/9/25

इकाई–3	**अपराध और विचलन के रूप :** – 1. विचलन के रूप : मद्यपान, मादक पदार्थों की लत, मानसिक विकार, समलैंगिकता, भिक्षावृत्ति। 2. संगठित अपराध : अवधारणा, विशेषताएं, और संरचना। 3. व्यावसायिक अपराधः अवधारणा, तत्व, प्रकार और प्रभाव। 4. पेशेवर अपराध : विशेषताएं, प्रकार 5. साइबर अपराध : अवधारणा और प्रकार **गतिविधि** – अपराध के नए आयाम पर कार्यशाला का आयोजन करना।	
इकाई–4	आपराधिक **न्याय और सुधारात्मक प्रणाली :** – 1. दंड : अर्थ, प्रकृति और उद्देश्य 2. दंड के सिद्धांत 3. प्रोबेशन और पैरोल 4. जेल : अर्थ, प्रकृति और उद्देश्य 5. अपराध निवारण में पुलिस की भूमिका 6. खुली जेल, पश्च देखभाल और पीडितों को मुआवजा **गतिविधि** – अपने नगर क पुलिस विभाग से सम्पर्क कर अपराध और दंड पर चर्चा करवाना।	
इकाई–5	**अपराध और विचलन के समकालीन मुद्दे :** – 1. वैश्वीकरण और अंतराष्टीय अपराध 2. मानवाधिकार और अपराध 3. प्रौद्योगिकी और अपराध – चुनोतियॉ और समाधान 4. जेल और दंडः सुधार और विकल्प 5. डिजिटल युग में सामाजिक परिवर्तन और विचलन 6. अपराधिक विज्ञान के भविष्य के आयाम **गतिविधि** – अपराध और विचलन के विविध आयामों पर शोध लेखन।	
	संदर्भ पुस्तकें एवं पत्रिकाएं – 1- Dr. D.K., Biswas, Criminology and Penology 2- Dr. S.S. Shrivastava, Criminology, Penology and Victimology 3- डॉ. जे.के. अग्रवाल, अपराधशास्त्र 4- बसानी लाल साकेत, अपराधास्त्र एवं दण्डशास्त्र 5- डॉ. जी.एल. धर्मा, आधुनिक अपराधशास्त्र 6- राम आहूजा, अपराधशास्त्र	

26.9.25

26/09/25

26/9/25

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
तंपसरूातपण्मगजमदेपवद / हउंपसण्बवउए मईपजमरूीजजचण्ण्हतपण्वतहए धि थ्0731.2874065
शैक्षणिक सत्र: 2025–26
स्थापना वर्ष:1963

कक्षा : एम. ए.

Class - M. A.

विषय – ग्रामीण विका एवं प्रसार / समाजशास्त्र

Subject – Rural Development & Extension/Sociology

सेमेस्टर – द्वितीय

Sem. – IInd

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश कमांक 14–2 के अनुसार

1. पाठ्यकम का कोड – 110/CC34
   Course Code – 110/CC34
2. पाठ्यकम का शीर्षक – पर्यटन का समाजशास्त्र
   Course Title – Sociology of Tourism
3. पाठ्यकम का प्रकार – मूल्य संवर्धक पाठ्यकम (वैकल्पिक)
   Course Type – Value Added Course
4. पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-
   1. छात्राएं पर्यटन की समाजशास्त्रीय अवधारणा और भारतीय परंपरा में इसकी भूमिका को समझेंगे।
   2. विद्यार्थी पर्यटन और संस्कृति की पहचान के सामाजिक संबंधों का विश्लेषण कर सकेंगे।
   3. पर्यटन के प्रकारों, स्थानीय समुदायों से संबंधों और बाजार पर प्रभाव को समझेंगे।
   4. विद्यार्थी पर्यटन के विकास, नीतियों और नवाचार की भूमिका का अध्ययन करेंगे।
   5. भारत और विशेषकर मध्यप्रदेश में पर्यटन की प्रवृत्तियों और सामाजिक प्रभावों का मूल्यांकन कर सकेंगे।
5. केडिट मान – सैद्धांतिक – 02 Credit Value - 02
6. कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे

इकाई	विषय	व्याख्यान घण्टे
इकाई–1	– **पर्यटन का समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण और भारतीय ज्ञान परंपरा** : – 1. पर्यटन की परिभाषा और समाजशास्त्रीय अध्ययन में उसका स्थान, यात्रा, तीर्थ और अतिथि संस्कृति। 2. भारतीय परंपरा में महत्व, सामाजिक परिवर्तन और पर्यटन की भूमिका। 3. पर्यटन और सामाजिक संरचना में अंतःकिया **गतिविधि** – भारतीय परम्परा में अतिथि तीर्थ पर प्रतिवेदन बनाना।	
इकाई–2	– **पर्यटन संस्कृति और पहचान** : – 1. पर्यटन और संस्कृति आदान–प्रदान। 2. सांस्कृतिक परसंस्कृतिकरण और संस्कृति का बाजारीकरण। पर्यटकों और स्थानीय समुदायों के संबंध। 3. संस्कृति, पहचान और पर्यटक दृष्टिकोण। **गतिविधि** – पर्यटन पर सामुहिक चर्चा करना।	

Contd–2

इकाई–3	– पर्यटन के प्रकार, स्थानीय संबंध और बदलता बाजार : – **प्रमुख पर्यटन प्रकार –** – सांस्कृतिक पर्यटन – आदिवासी पर्यटन – ग्रामीण पर्यटन (लाडपुर खास औरछा) – चिकित्सा पर्यटन – इको–टूरिज्म – पर्यटन और उपभोक्तावाद बदलता स्थानीय बाजार और संस्कृति। **गतिविधि** – अपने क्षेत्र के पर्यटन क्षेत्रों पर शोध कार्य करना।	
इकाई–4	पर्यटन, विकास, नीति और नवाचार : 1. पर्यटन और आर्थिक विकास। 2. सतत पर्यटन की अवधारणा। 3. भारत की पर्यटन नीतियों की रूपरेखा। 4. मध्यप्रदेश की पर्यटन नीति, विशेषताएं और प्राथमिकताएं। 5. पर्यटन में नवाचार, डिजिटल टेक्नोलॉजी, थीम आधारित मॉडल, स्थानीय भागीदारी। **गतिविधि** – किसी पर्यटन स्थान पर लघुकथा लिखना।	
इकाई–5	**भारत और मध्य प्रदेश में पर्यटन – सामाजिक परिप्रेक्ष्य : –** 1. भारत में धार्मि, सांस्कृतिक और विरासत पर्यटन। 2. प्रमुख राष्ट्रीय योजनाएं– Incredible India, Swadesh Darshan 3. मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल– खजुराहों, सॉची, पचमढी, ओरछा, भीमबेटका। 4. रोजगार सांस्कृतिक संरक्षण और स्थानीय विकास में पर्यटन की भूमिका। **गतिविधि** – मध्यप्रदेश की पर्यटन नीति पर चर्चा करना।	
	संदर्भ पुस्तकें एवं पत्रिकाएं – 1- Cohen, E. Sociology of Tourism, Prentice-Hall. 2- Urry, J. The Tourism Gaze, Sage Publicatins. 3- Smith, V.L. Hosts and Guests. The Anthropology of Tourusm, University of Pennsylvania Press. 4- Fennell, D.A. Ecotourism, An Introduction, Routledge. 5- Apostolopoious, Y. Leviadi, S. & Yiannakis, A. The Sociology of Tourism. 6- जोशी, अतुल कुमार, अरूण,आर, जोशी, महेश, भारत में आधुनिक पर्यटन, हिंदू, रावत पब्लिकेशन। 7- व्यास, राजेश कुमार, भारत में पर्यटन, प्रभात प्रकाशन।	

.....

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
ई.उंपसरूतपण्मगजमदेपवद/हउंपसण्बवउए मइपजमरूीजजचण्णहतपण्वतहए वै० श्र.0731.2874065
शैक्षणिक सत्रः 2025–26
स्थापना वर्ष:1963

कक्षा : एम. ए.

Class - M. A.

विषय – ग्रामीण विका एवं प्रसार/समाजशास्त्र

Subject – Rural Development & Extension/Sociology

सेमेस्टर – द्वितीय

Sem. – IInd

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश कमांक 14–2 के अनुसार

1. **पाठ्यकम का कोड – 110/CC34**
   Course Code – 110/CC34
2. **पाठ्यकम का शीर्षक – पर्यटन का समाजशास्त्र**
   Course Title – Sociology of Tourism
3. **पाठ्यकम का प्रकार – मूल्य संवर्धक पाठ्यकम (वैकल्पिक)**
   Course Type – Value Added Course
4. **पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-**
   1. छात्राएं पर्यटन की समाजशास्त्रीय अवधारणा और भारतीय परंपरा में इसकी भूमिका को समझेंगे।
   2. विद्यार्थी पर्यटन और संस्कृति की पहचान के सामाजिक संबंधों का विश्लेषण कर सकेंगे।
   3. पर्यटन के प्रकारों, स्थानीय समुदायों से संबंधों और बाजार पर प्रभाव को समझेंगे।
   4. विद्यार्थी पर्यटन के विकास, नीतियों और नवाचार की भूमिका का अध्ययन करेंगे।
   5. भारत और विशेषकर मध्यप्रदेश में पर्यटन की प्रवृत्तियों और सामाजिक प्रभावों का मूल्यांकन कर सकेंगे।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 02 Credit Value - 02**
6. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40**
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे**

इकाई	विषय	व्याख्यान घण्टे
इकाई–1	– **पर्यटन का समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण और भारतीय ज्ञान परंपरा : –** 1. पर्यटन की परिभाषा और समाजशास्त्रीय अध्ययन में उसका स्थान, यात्रा, तीर्थ और अतिथि संस्कृति। 2. भारतीय परंपरा में महत्व, सामाजिक परिवर्तन और पर्यटन की भूमिका। 3. पर्यटन और सामाजिक संरचना में अंतःकिया **गतिविधि** – भारतीय परम्परा में अतिथि तीर्थ पर प्रतिवेदन बनाना।	
इकाई–2	– **पर्यटन संस्कृति और पहचान : –** 1. पर्यटन और संस्कृति आदान–प्रदान। 2. सांस्कृतिक परसंस्कृतिकरण और संस्कृति का बाजारीकरण। पर्यटकों और स्थानीय समुदायों के संबंध। 3. संस्कृति, पहचान और पर्यटक दृष्टिकोण। **गतिविधि** – पर्यटन पर सामुहिक चर्चा करना।	

Contd—2

26.9.25 26/9/25 26/9/25

इकाई–3	– पर्यटन के प्रकार, स्थानीय संबंध और बदलता बाजार : – प्रमुख पर्यटन प्रकार – – सांस्कृतिक पर्यटन – आदिवासी पर्यटन – ग्रामीण पर्यटन (लाडपुर खास औरछा) – चिकित्सा पर्यटन – इको–टूरिज्म – पर्यटन और उपभोक्तावाद बदलता स्थानीय बाजार और संस्कृति। गतिविधि – अपने क्षेत्र के पर्यटन क्षेत्रों पर शोध कार्य करना।	
इकाई–4	पर्यटन, विकास, नीति और नवाचार : 1. पर्यटन और आर्थिक विकास। 2. सतत पर्यटन की अवधारणा। 3. भारत की पर्यटन नीतियों की रूपरेखा। 4. मध्यप्रदेश की पर्यटन नीति, विशेषताएं और प्राथमिकताएं। 5. पर्यटन में नवाचार, डिजिटल टेक्नोलॉजी, थीम आधारित मॉडल, स्थानीय भागीदारी। गतिविधि – किसी पर्यटन स्थान पर लघुकथा लिखना।	
इकाई–5	भारत और मध्य प्रदेश में पर्यटन – सामाजिक परिप्रेक्ष्य : – 1. भारत में धार्मि, सांस्कृतिक और विरासत पर्यटन। 2. प्रमुख राष्ट्रीय योजनाएं– Incredible India, Swadesh Darshan 3. मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल– खजुराहों, सॉची, पचमढी, ओरछा, भीमबेटका। 4. रोजगार सांस्कृतिक संरक्षण और स्थानीय विकास में पर्यटन की भूमिका। गतिविधि – मध्यप्रदेश की पर्यटन नीति पर चर्चा करना।	
	संदर्भ पुस्तकें एवं पत्रिकाएं – 1- Cohen, E. Sociology of Tourism, Prentice-Hall. 2- Urry, J. The Tourism Gaze, Sage Publicatins. 3- Smith, V.L. Hosts and Guests. The Anthropology of Tourusm, University of Pennsylvania Press. 4- Fennell, D.A. Ecotourism, An Introduction, Routledge. 5- Apostolopoious, Y. Leviadi, S. & Yiannakis, A. The Sociology of Tourism. 6- जोशी, अतुल कुमार, अरूण,आर, जोशी, महेश, भारत में आधुनिक पर्यटन, हिंदू, रावत पब्लिकेशन। 7- व्यास, राजेश कुमार, भारत में पर्यटन, प्रभात प्रकाशन।	

.....

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
म.उंपसरूातपण्मगजमदेपवद/हउंपसण्बवउए मईपजमरूीजजचरू्णहतपण्वतहए चीण् थ्ण.0731.2874065
शैक्षणिक सत्रः 2025–26
स्थापना वर्षः1963

कक्षा : एम. ए.

Class - M. A.

विषय – ग्रामीण विकास एवं प्रसार/समाजशास्त्र

Subject – Rural Development & Extension/Sociology

सेमेस्टर – द्वितीय

Sem. – IInd

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश कमांक 14–2 के अनुसार

1. पाठ्यकम का कोड – **110/CC36**
   Course Code – 110/CC36
2. **पाठ्यकम का शीर्षक – सामाजिक स्तरीकरण**
   Course Title – Social Stateification
3. **पाठ्यकम का प्रकार – मूल्य संवर्धक पाठ्यकम (वैकल्पिक)**
   Course Type – Value Added Course
4. **पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-**
   1. विद्यार्थी सामाजिक स्तरीकरण का अर्थ, प्रकृति और आयामों को समझ सकेंगी जिसमें पदानुकम, शक्ति और सामाजिक असमानता शामिल है।
   2. विद्यार्थी संरचनात्मक कार्यात्मक, मार्क्सवादी और वेबरवादी दृष्टिकोणों का गहन अध्ययन कर सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धांतों को आलोचनात्मक दृष्टि से परख सकेंगे।
   3. विद्यार्थी भारत में जाति व्यवस्था की उत्पत्ति, विकास और समकालीन चुनौतियों का ऐतिहासिक और आधुनिक संदर्भ में विश्लेषण कर सकेंगे।
   4. विद्यार्थी सामाजिक स्तरीकरण में लैंगिक असमानताओं, पितृसत्ता और नारीवादी दृष्टिकोणों की भूमिका को समझ पाएंगी।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 02** **Credit Value - 02**
6. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40**
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे**

इकाई	विषय	व्याख्यान घण्टे
इकाई–1	– सामाजिक **स्तरीकरण का परिचय :** – 1. सामाजिक स्तरीकरण का अर्थ, प्रकृति और विशेषताएं। 2. सामाजिक स्तरीकरण के आयामः हस्तांतरण और भिन्नता, सामाजिक भेद, सामाजिक समानता और असमानता। 3. शक्ति और वर्चस्वः बहिष्करणः वंचन, भेदभाव। गतिविधि – सामाजिक स्तरीकरण पर कक्षा में समूह चर्चा।	
इकाई–2	– सामाजिक स्तरीकरण के सैद्धांतिक दृष्टिकोण : – 1. संरचनात्मक कार्यात्मकतावादी दृष्टिकोण 2. मार्क्सवादी दृष्टिकोण 3. वेबरवादी दृष्टिकोण 4. सामाजिक स्तरीकरण पर वाद–विवाद	

इकाई–3	– **भारत में जाति व्यवस्था : –** 1. जाति व्यवस्था का उद्भव और विकास 2. वर्ण और जाति : अवधारणाएं और भेद 3. उपनिवेशवाद और आधुनिकीकरण का जाति व्यवस्था पर प्रभाव 4. समकालीन भारत में जाति व्यवस्था के परिवर्तित स्वरूप और चुनौतियां **गतिविधि** – अपने नगर में जाति में परिवर्तन पर सर्वेक्षण कराए।	
इकाई–4	**लैंगिकता और सामाजिक स्तरीकरण : –** 1. लैंगिकता एक सामाजिक निर्माण के रूप में 2. पितृसत्ता और इसके प्रभाव 3. लैंगिक असमानता पर नारीवादी दृष्टिकोण 4. शिक्षा, रोजगार और राजनीति में लैंगिक असमानता **गतिविधि** – लैंगिक समानता पर पोस्टर, स्लोगन बनाएं।	
इकाई–5	**समकालीन मुद्दे और चुनौतियां : –** 1. अंतःविषयता और बहुस्तरीय सामाजिक स्तरीकरण 2. डिजिटल युग में जाति और वर्ग 3. आरक्षण नीतियां और सकारात्मक कार्यवाई 4. सामाजिक आंदोलन और समानता की खोज **गतिविधि** – स्तरीकरण पर वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित करना।	
	संदर्भ पुस्तकें एवं पत्रिकाएं – 1- MacIver, Robert M &Charles Hunt Page, Society- An Introductory Analysis, New Delhi. 2- Beteile Andre Caste Class & Power, California, University, Berkeley. 3- Ghurye GS Caste, Class & Occupation, Popular book dept. Bombay. 4- Oqburn & Nimkoff Hand Book of Sociology, K.Paul, Trench, Prebner.	

....

26.9.25 26/9/25 26/09/25